नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में आठ दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन

विद्यार्थी स्वयं दीप बनें - कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 16 अक्तूबर 2015: रचनात्मक कुशलताओं को आत्मसात कर विद्यार्थी स्वयं दीप बनें। सर्जनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय अनेक

उपक्रम चला रहा है, इनमें शामिल होकर स्वयं को अभिव्यक्त करें। उक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में आंतरिक गुणवत्ता

आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की ओर से आठ दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर मंच पर

कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, आईक्यूएसी की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल, अरूण प्रताप सिंह मंचासीन थे।

शिविर का प्रतिवेदन साहित्य विद्यापीठ के शोधार्थी अरूण कुमार त्रिपाठी ने प्रस्तुत किया। शिविर की महत्ता और उपयोगिता को शाम सिंह, रिता राणी, अभिषेक त्रिपाठी, आनंद कुमार तथा भारती देवी आदि शिविर में सहभागी विद्यार्थियोंने व्यक्त किया। डॉ. शोभा पालीवाल ने शिविर की उपलब्धि पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगली कड़ी में अलग-अलग विषयों को लेकर शिविर आयोजित किए जाएंगे। कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि सकारात्मक सोच से विचार करना ही जीवन की बड़ी उपलब्धि होती है। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भागीदारी की। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल भी उपस्थित थे।

हिंदी विश्वविद्यालयात आठ दिवसीय व्यक्तिमत्व विकास शिबिराचा समारोप

विद्यार्थ्यांनी स्वयं दीप व्हावे -प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 16 ऑक्टोबर 2015: रचनात्मक कौशल्य आत्मसात करून विद्यार्थ्यांनी स्वयंदीप व्हावे. सर्जनशील विकासाला प्रोत्साहित करण्यासाठी विश्वविद्यालयाने हाती घेतलेल्या विविध उपक्रमांमध्ये सहभागी होवून स्वत:मधील कलागुणांना वाव द्यावा असे आवाहन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आयक्यूएसी)च्या वतीने आयोजित आठ दिवसीय शिबिराच्या समारोपीय कार्यक्रमात ते बोलत होते. यावेळी कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, आयक्यूएसीच्या समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल, अरूण प्रताप सिंह व्यासपीठावर उपस्थित होते.

शिबिराचा सार साहित्य विद्यापीठातील शोधार्थी अरूण कुमार त्रिपाठी यांनी सादर केला. शाम सिंह, रिता राणी, अभिषेक त्रिपाठी, आनंद कुमार तथा भारती देवी यांनी शिबिरातील अनुभव विषद केले. कार्यक्रमाला कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल,जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित होते.